Calendar 2026

श्रीराम राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे ।
सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने ॥

मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ।
वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ॥

Himalayan Meditation

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Hanuman Ji as Future Brahma – Creator of a New Cosmos

भविष्य कल्पे तुम सृष्टि कर्ता होइ | चतुरानन रूपे सृजन करइ

In a future kalpa, Hanuman ji will take the form of Chaturmukha Brahma, the four-faced creator.
This rare prophecy reveals his creative potential, not just as a sevak but as a cosmic architect, entrusted with the blueprint of existence.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

हनुमानजी रामभक्त हैं, जो भक्ति, शक्ति, सिद्धि और मुक्ति प्रदान करते हैं तथा सभी संकटों से रक्षा करते हैं। "श्री हनुमान हृदय मालिका" की स्तुति से सुख, सफलता और आत्म उन्नति मिलती है, इसलिए सभी इसका प्रतिदिन २-३ बार पाठ अवश्य करे।

प्रेमभक्तिं मुक्तिं शक्तिं सर्वसिद्धिं प्रदायकम् । शिवरूपं परमशिवं सर्वशिवं जयो जयः ॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
				१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१							

- Amavasya
- Purnima
- Ekadashi

- January 1 : New Year's Day
- January 14 : Makara Sankranti
- January 26 : Republic Day

january

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Hanuman Ji as Sadguru – Liberator Through Wisdom

सद्गुरु रुपे तुमे होइण प्रकट | दिअ ज्ञान दूर कर महासंकट

Hanuman ji is not only a warrior and bhakt—he is a Sadguru, appearing to impart divine knowledge and rescue devotees from spiritual darkness. His guidance leads to moksha, not just protection.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

पवन पुत्र हनुमान विचित्र।
कृपा कटाक्ष अत्र तत्र सर्वत्र ॥१॥

परम वैष्णव राम शुद्ध भक्त।
विशाल देह तुम अतीव शक्त ॥२॥

करि अंजनी माता कठिन तप।
पवनाहार देहे दिव्य उत्ताप ॥३॥

सप्त चिरंजीवी नामे तुम ख्यात।
रुद्र दिव्य अंशु होइ तुमे जात ॥४॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
							1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28							

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- February 15 : Maha Shivaratri

february

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Sindoor-Smeared Face and Divine Ornaments

हस्ते दिशे गदा अत्यन्त सुशोभित | सिंदूर मुख तुम दिशइ प्रशांत

The Malika paints a vivid image: Hanuman ji's curly hair, divine earrings, and sindoor-smeared face radiate spiritual beauty. These details evoke his inner glow, not just physical strength.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

तुमेहि सदा सदा श्रीराम दास।
भजुछ राम तुमे प्रत्येक श्वास ॥५॥

राम लक्ष्मण माता सीता सहित।
धारण करि तुमे हृदयेनित ॥६॥

हृदय फाड़ि तुम देल प्रमाण।
करइ तुम हदे राम धारण ॥७॥

अशोक बने तुमे कल उत्पात।
बृक्ष ताडि पूणि असुर संतप्त ॥८॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
							1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28	29	30	31				

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- March 4 : Holi
- March 27 : Sri Rama Navami
- March 30 : Mahavir Jayanti

marzh

Himalayan Meditation

Tapasya in the Himalayas – Yogic Immersion in Shree Rama Bhakti

हिमालय गिरी होइ तुम तपभूमि | राम प्रीत योगे लीन हनुमन्त स्वामी

Hanuman ji continues his eternal meditation in the Himalayas, immersed in Shree Rama prema yoga. This reveals his ongoing sadhana, even after the Ramayana, as a yogi of cosmic silence and devotion.

Himalayan Meditation

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

सीता मातान्कु कल तुमे दरशन ।
प्रभुन्क अंगूठि देइ देल प्रमाण ॥९॥

करुणा निधान नाम मुखे उचारइ ।
जानकीमाता नयनु लोतक झरइ ॥१०॥

करिल पूणि तुमे लंका दहन ।
तुम प्रकोपे धरणी प्रकंपन ॥११॥

स्वर्णर लंका हेला छारखार ।
रावण सेना भये थरहर ॥१२॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
										1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- April 19 : Akshaya Trutiya

april

Cosmic Speed – Crossing 108 Earth Diameters in a Blink

एकशत अष्ट धरा व्यास जाहिँ | चक्षु पलके तुमे पार करइ

A stunning revelation: Hanuman ji traversed 108 times Earth's diameter in a blink—symbolizing his trans-dimensional reach, beyond space and time.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

कणरि कुंडल तुम कुंचित केश ।
मनेतुम चिन्तन सदा श्रीनिवास ॥१३॥

हस्ते दिशे गदा अत्यन्त सुशोभित ।
सिंदूर मुख तुम दिशइ प्रशांत ॥१४॥

बाल काले तुमे भानुपाशे जाई ।
बाल सुलभ मन खाद भाबई ॥१५॥

एकशतअष्ट धरा ब्यास जाहिँ ।
चक्षु पलके तुमे पार करइ ॥१६॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
३१												१	२
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

- Amavasya
- Purnima
- Ekadashi

- May 1 : Buddha Purnima
- May 12 : Hanuman Jayanti (Telugu)

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Friendship with Shani Dev – A Rare Bond of Grace

शनि होइ तुम प्रिय मित्र हनुमान | तुम नाम नेले जेह्व हुअइ प्रसन्न

Hanuman ji's friendship with Shani Dev is a powerful spiritual remedy. Chanting his name pacifies Saturn's influence, offering relief from karmic trials and astrological afflictions.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

शनि होइ तुम प्रिय मित्र हनुमान ।
तुम नाम नेले जेह्ने हुअइ प्रसन्न ॥१७॥

उठाइल पर्वत गंधमार्धन ।
ओषधेपोषणे जीवित लक्ष्मण ॥१८॥

अर्जुन रथ उर्धे तुमे बिराजील ।
राम नाम तुमे सदा हृदे धरिल ॥१९॥

अंजनी पुत्र केशरी सुनन्दन ।
तुम कृपे मिलइ राम मोहन ॥२०॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27
28	29	30											

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- June 21 : Yoga Diwas

june

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Presence in Mahabharata – Guardian of Dharma Across Yugas

अर्जुन रथ उर्धे तुमे बिराजील | राम नाम तुमे सदा हृदे धरिल

Hanuman ji appeared in Dwapara Yuga, atop Arjuna's chariot—signifying his timeless guardianship of dharma. His presence spans Treta, Dwapara, and Kali Yuga, guiding warriors and seekers alike.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

तुमरि नाम नेले सबु संकट दूर।
जय जय जय हनुमान महावीर ॥२१॥

तुम स्तुति कले हुए आत्म उन्नति।
हृदये प्रष्फुटित सदा प्रभुभक्ति ॥२२॥

भूत असुर सबु जेते मंद शक्ति।
तुम नामे नेले टले महाबिपत्ति ॥२३॥

तुम कृपारे हरि भक्ति हुए प्राप्ति।
अनन्त जनम कलेसू हुए मुक्ति ॥२४॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31								

- Amavasya
- Purnima
- Ekadashi

- July 16 : Jagannatha Ratha Yatra
- July 29 : Guru Purnima

july

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Bhakti as the Gateway to Moksha

तुम कृपारे हरि भक्ति हुए प्राप्ति | अनन्त जनम कलेसू हुए मुक्ति

Hanuman ji grants bhakti, divine love, and liberation. His grace makes the difficult path of spiritual ascent easy, revealing him as a bridge between jiva and paramatma.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

संकट मोचन जय हनुमान।
बजरंजबली महाबलबान ॥२५॥

भक्ति मुक्ति तुमे महाप्रीति दाता।
तूम कृपे तरे भक्त महारास्ता ॥२६॥

हिमालय गिरी होइ तुम तपभूमि।
राम प्रीत योगे लीन हनुमन्त स्वामी ॥२७॥

भविष्य कल्परे तुम सृष्टि कर्ता होइ।
चतुरानन रुपे सृजन करइ ॥२८॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
						1	2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29	30	31					

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- Aug 15 : Independence Day
- Aug 28 : Raksha Bandhan

August

Himalayan Meditation

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Blessings for Women, Students, and Sages

संत साधव कले एहा पठन | हुए अविलम्बे हरि दरशन ॥
तरुणी कन्या पढ़ी हनुमान मालिका | मिले दिव्य ज्ञानी पति हुअइ सेविका ॥

The Malika promises:
Marital harmony for women
Success and wisdom for students
Direct darshan of Shri Hari for sages
Divine spouses for unmarried girls
This reveals Hanuman ji's inclusive grace, tailored to each devotee's path.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

मुक्त पुरुष रुद्र जय हनुमन्त ।
पारुनि कही तुम लीला अनन्त ॥२९॥

जय हनुमान दिव्य मारुती ।
करूअछि मुहिँ तुमर आरती ॥३०॥

कहते कृष्णदास तुम दिव्य गाथा ।
हरि शरणे सदा रखी मूढ़ मथा ॥३१॥

हरि दर्शन मिलन प्रेम आशा ।
तुम दयारे पूरे सर्व पिपासा ॥३२॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
									1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30			

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- September 4 : Shri Krishna Janmashtami
- September 14 : Ganesha Chaturthi

september

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Dispeller of Evil Forces and Ghosts

भूत असुर सबु जेते मंद शक्ति | तुम नामे नेले टले महा विपत्ति ॥

Hanuman ji's name is a shield against darkness. His presence dissolves fear, dispels evil, and restores inner clarity—making him the Rakshak of the subtle realms.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

सद्गुरु रुपे तुमे होइण प्रकट।
दिअ ज्ञान दूर कर महासंकट ॥३३॥

जेउँ नारी करइ पाठ एहा नित।
संसार सुखमय स्वामीप्रीति प्राप्त ॥३४॥

विद्यार्थी जन करि एहा अध्ययन।
सफल सिद्धि प्रापत सुखी जीवन ॥३५॥

संत साधव कलेएहा पठन।
हुए अविलंबे हरि दरशन ॥३६॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
											1	2	3
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- October 2 : Gandhi Jayanti
- October 20 : Dussehra

october

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Bhakti Awakens Divine Love Within

हनुमंतं रामभक्तं रुद्रअंशं ब्रह्मचारीं
पवनसुतं मारुतीं तवपदौ नमामि ॥

Singing Hanuman ji's glories awakens bhakti, leading to self-elevation and divine union. His praise is not ritual—it is transformation.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

तरुणी कन्या पढ़ी हनुमान मालिका।
मिले दिव्य ज्ञानी पति हुअइ सेविका ॥३७॥

श्रीराम जय राम जय जय राम।
संकट मोचन जय सीता राम ॥३८॥

श्रीमालिका हनुमान हृदय।
कहे कृष्णदास भक्त तनय ॥३९॥

प्रभु चरणे रहू सदा ता मन।
प्रभु चिन्तने जाउ पुरा जीबन ॥४०॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30												

Amavasya
Purnima
Ekadashi

• November 8 : Diwali

november

hidden jewels from hanuman hridaya malika

Hanuman Ji's Aarati and Final Surrender

प्रभु चरणे रहू सदा ता मन | प्रभु चिन्तने जाउ पुरा जीबन

The Malika ends with total surrender—a devotee bowing at Hanuman ji's feet, longing for Shri Rama darshan, and offering aarati of the heart.

॥ श्री हनुमान हृदय मालिका ॥

हनुमंतं रामभक्तं रुद्रअशं ब्रह्मचारीं। पवनसुतं मारूतीं तवपदौ नमामि ॥

॥ इति कृष्णदासः विरचित 'श्री हनुमान हृदय मालिका' सम्पूर्णम् ॥

sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat	sun	mon	tue	wed	thu	fri	sat
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31									

Amavasya
Purnima
Ekadashi

- December 20 : Gita Jayanti

december

जय श्री राम

Himalayan Meditation